मैथिली भाषा साहित्य के प्रसार के लिए अतुलनीय रहा डा. सिंह का योगदान

- तिलकामांझी विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ. प्रेमशंकर सिंह पर साहित्य अकादेमी का वेबिनार आयोजित

भागलपुर. साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली की ओर से वेबलाइन श्रृंखला के अंतर्गत मैथिली के साहित्यकार व प्राध्यापक रहे डा. प्रेमशंकर सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित परिसंवाद का आयोजन किया गया. ज्ञात हो कि तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के मैथिली विभागाध्यक्ष रहे डा. सिंह का विश्वविद्यालय में मैथिली भाषा के अध्यापन में व्यापक योगदान रहा है. साथ ही मैथिली साहित्य की विकासयात्रा में भी उनका सराहनीय योगदान रहा है. जूम पर आयोजित इस परिसंवाद के उद्घाटन सत्र में साहित्य अकादेमी के उप सचिव डॉ एन सुरेश बाबू ने स्वागत भाषण दिया. पुनः अध्यक्षीय सम्बोधन में मैथिली परामर्श मंडल के संयोजक, प्रसिद्ध साहित्यकार डा. उदय नारायण सिंह ने डा. प्रेमशंकर सिंह के भाषायी योगदान को स्मरण करते हुए इस परिसंवाद आयोजन की सार्थकता को रेखांकित किया. शिक्षाविद डॉ. केष्कर ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम सत्र में भागलपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डा. शिव प्रसाद यादव ने विस्तारपूर्वक प्रेमशंकर सिंह के प्राध्यापकीय और साहित्यिक जीवन पर प्रकाश डाला. पुनः तिलकामांझी विश्वविद्यालय में मैथिली के वर्तमान विभागाध्यक्ष डा. प्रमोद पाण्डेय और दरभंगा निवासी वरिष्ठ लेखक डा. योगानन्द झा ने विषय केन्द्रित आलेख का पाठ किया.